वाणिज्य / जोधपुर डिस्कॉम– 813

जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड

क्रमांक : जो.वि.वि.नि.लि. / प्र.नि. / मु.अ.(सु.) / अ.अ.(आर.ए.–सी.) / फा / प्रे. 736 दि. 30.08.17

आदेश

विषयः– कृषि कनेक्शन के अनाधिकृत बढे हुए भार की "स्वैच्छिक भार वृद्धि घोषणा योजना" लागू करने के संबंध में।

कृषि क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति की गुणवत्ता में वृद्धि और राजस्व हानि को रोकने के लिए कृषि उपभोक्ताओं को सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से **"स्वैच्छिक भार वृद्धि घोषणा योजना"** लागू करने का निर्णय लिया गया है। इसी क्रम में "स्वैच्छिक भार वृद्धि घोषणा योजना" को निम्न प्रावधानों के अनुसार दिनांक 31 दिसम्बर 2017 तक तुरन्त प्रभाव से लागू किया जाता है।

1. ऐसे कृषक जो उसी कुए पर दूसरी मोटर लगाकर भार वृद्धि करते है अथवा दूसरे कुए पर जो उसी खसरा / खेत / परिसर / मुरब्बा में हो, दूसरी मोटर चलाने के लिए भार बढ़ाते है उन्हें इस योजना का लाभ नही दिया जाएगा, यद्यपि पूर्व में दो मोटरें स्वीकृत है एवं कृषक उनके भार में वृद्धि करना चाहता है तो वह इस योजना का लाभ ले सकता है।
2. इस "स्वैच्छिक भार वृद्धि घोषणा योजना" के अन्तर्गत उन कृषि उपभोक्ताओं का जिनके कनेक्शन को एक वर्ष से अधिक समय हो गया है यदि विद्युत भार बढा हुआ पाया जावे तो उनसे कोई पैनल्टी राशि नही ली जाकर मात्र धरोहर राशि (रू. 15/– प्रति एच.पी. प्रति माह की दर से दो माह के लिए) जमा करवा कर भार नियमित कर दिया जावेगा।
3. जिन कृषि उपभोक्ताओं के कनेक्शनों को एक वर्ष की अवधि नही हुई है वे भी उक्त योजना का लाभ ले सकते है किन्तु इसके लिए उन्हें धरोहर राशि के अतिरिक्त नियमितीकरण शुल्क (अतिरिक्त बढे भार पर) कृषि नीति के अनुसार देने होगें।
4. यदि मद (2 व 3) में इंगित उपभोक्ता इस योजना का लाभ नहीं उठाते है तो उक्त योजना की अवधि समाप्ति पर चैकिंग के दौरान उनका भार स्वीकृत भार से अधिक पाया गया तो ऐसे उपभोक्ताओं से बढे हुए भार पर कृषि नीति आरईओ–234 के अनुसार राशि वसूली जाएगी।
5. दो वर्ष तक कटे हुए कनेक्शनों को यदि उपभोक्ता भार वृद्धि के साथ जुडवाना चाहता है, तो वह भी इस योजना का लाभ ले सकता है।
6. योजना अवधि में योजना का लाभ उठाने वाले कृषि उपभोक्ताओं के लिए आवश्यक होने पर ट्रांसफार्मर क्षमता वृद्धि व नई 11 के.वी लाईन एवं सब स्टेशन का खर्च निगम द्वारा वहन किया जाएगा।

उक्त "स्वैच्छिक भार वृद्धि घोषणा योजना" लागू होने के दौरान यदि किसी उपभोक्ता की बढ़े हुए भार की वी.सी.आर. भरी जा चुकी है तो वह भी उपरोक्त योजना के प्रावधानों के अनुसार नियमित की जावेगी। उक्त "स्वैच्छिक भार वृद्धि घोषणा योजना" की समाप्ति (31 दिसम्बर 2017) के पश्चात् भार सत्यापन के लिये विषेष अभियान चलाया जायेगा।

आज्ञा से,

(एम. आर. मीणा)
अतिरिक्त मुख्य अभियंता (मुख्यालय)
जोधपुर डिस्कॉम, जोधपुर